भा. कृ. अनु. प.– केंद्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान

पहुज डेम के पास, ग्वालियर रोड, झाँसी (उ.प्र.) – 284003

कृषिवानिकी सलाह (माहः जुलाई)

•अच्छी वर्षा होने के उपरान्त ही पौध रोपण का कार्य पूर्ण करें।

•पौध रोपण करते समय गड्ढों में दीमक तथा फफुँद नाशक दवा का उपयोग करके पौधों को गड्ढों के बीच में लगायें।

•जून में लगाये गये पौधों के थालों में निराई–गुड़ाई करें।

•ज्यादा बारिश होने पर पानी के निकास की उचित व्यवस्था करें ताकि पेड़ों के तने के पास पानी इकट्ठा न होने पायें।

•खाद और उर्वरक का प्रयोग उचित मात्रा में पूर्व स्थापित पेड़ों में करें।

•खरीफ फसलों की बुवाई का कार्य वर्षा होने के साथ ही पूर्ण कर लें।

•खरीफ फसलों की बुवाई के 3–4 दिन के अन्दर ही फसल उगने से पहले उपयोग होने वाली खरपतवारनाशी का प्रयोग कर लें ताकि खरपतवार से होने वाले फसल नुकसान को बचाया जा सके।

•अधिक वर्षा होने की दशा में खेत में जल भराव होने पर भरे हुए पानी को समय–समय पर निकालते रहें जिससे फसल नुकसान को बचाया जा सके।

•खरीफ फसलों की बुवाई करते समय बीजों के बोने की गहराई का विशेष ध्यान रखें। अधिक गहराई में डाले गये बीजों के उगने की सम्भावना कम होती है।

•फसलों में कम जमाव की स्थिति में गैप फिलिंग, बुवाई के 10 दिन के अन्दर ही पूर्ण कर लें।

•अधिक जमाव की स्थिति में घने पौधों को बुवाई के 10–15 दिन के अन्दर ही उखाड़ दें। इससे फसलों के पोधों के बीच होने वाले जल, प्रकाश तथा पोषक तत्वों की प्रतिस्पर्धा को रोका जा सके।

•बारिश का समय, खरपतवारों एवं कीड़ों के लिए अनुकूल होता है, इसलिए समय–समय पर फसलों का अवलोकन करें। खरपतवारों के लिए खरपतवारनाशी तथा कीड़ों के लिए कीटनाशी का उपयोग सुनिश्चित करें।

•ड्राई स्पेल होने की दशा में खड़ी फसलों में सिंचाई की व्यवस्था सुनिश्चित करें ताकि फसल को पानी की कमी से होने वाले नुकसान से बचाया जा सके।

•फलदार पेड़ों को लगाते समय ध्यान रखें कि पेड़ ज्यादा गहराई में न लगे अन्यथा पेड़ की गर्दन (जहॉ से जड़ व तना निकलता है) से सड़ सकता है।

•फलदार पेड़ लगाने के बाद जिनमें कलम बॅधनी है उसकी पोलीथीन पट्टी को ब्लेड से काटकर हटा दें तथा कलम बंध से नीचे आये फुटान हटा दें।

•बरसात के दिनों में नींबू, संतरा व अमरूद के पेड़ों में कीट व बीमारी आने का खतरा रहता है। समय रहते जानकारी प्राप्त कर उपचार करें।

कृषिवानिकी संबंधित किसी भी जानकारी हेतु किसान भाई, निदेशक, भाकृअनुप–केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झॉसी (उ0प्र0) से सम्पर्क करें।

निदेशक

केंद्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी